Transforming lives... redefining banking!

विजया बैंक
VIJAYA BANK
(A GOVT. OF INDIA UNDERTAKING)
A friend you can bank upon

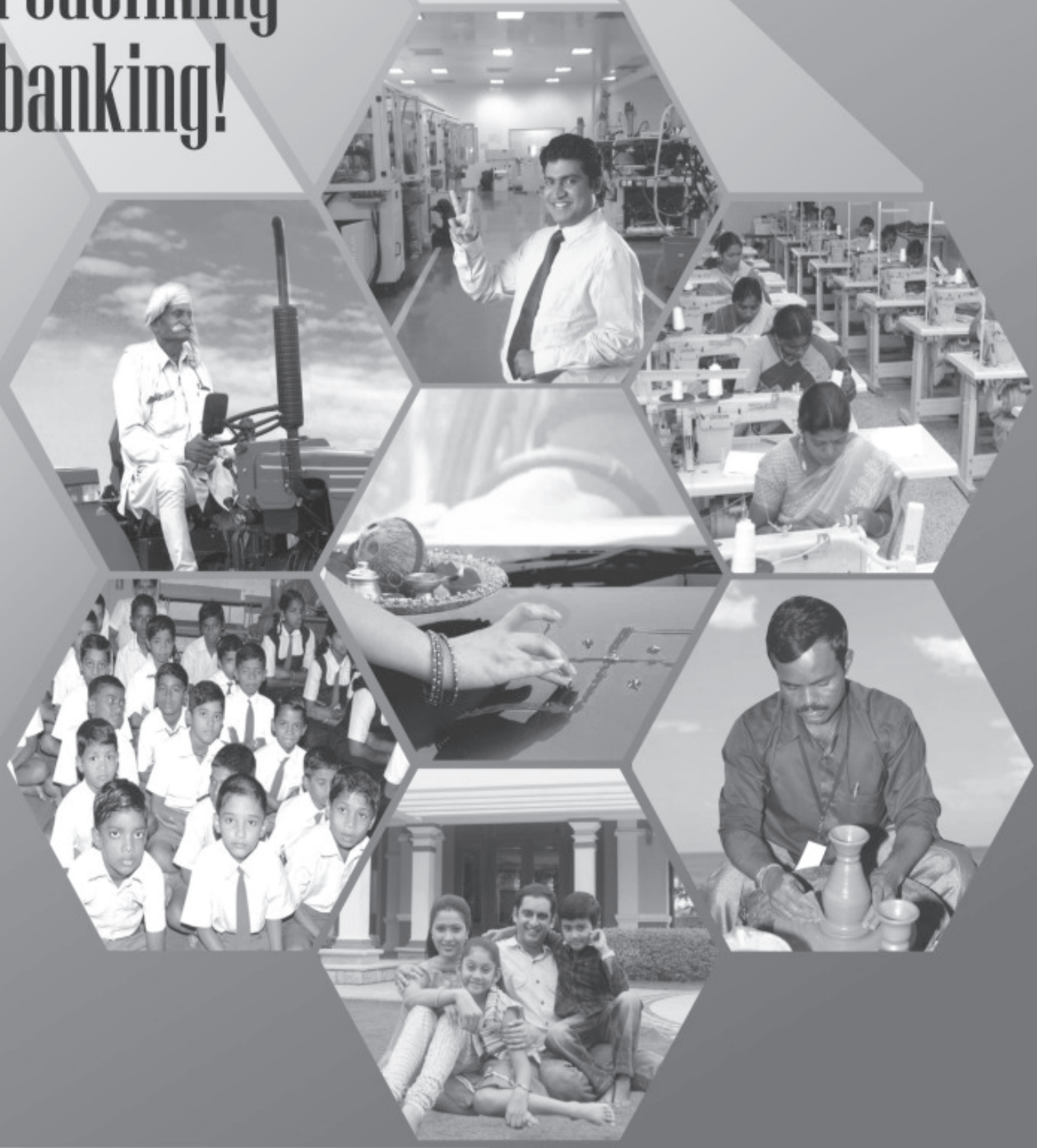

वार्षिक रिपोर्ट ANNUAL REPORT 2013 - 14

PDF processed with CutePDF evaluation edition www.CutePDF.com

मंडल के निदेशक
Board of Directors

श्री वी. कण्णन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Shri V Kannan
Chairman & Managing Director

श्री के.आर.शेणै
कार्यकारी निदेशक
Shri K.R. Shenoy
Executive Director

श्री बी.एस.रामा राव
कार्यकारी निदेशक
Shri B.S. Rama Rao
Executive Director

श्री वी.के.चोपड़ा
निदेशक
Shri V.K. Chopra
Director

श्रीमती सुमा वर्मा
निदेशक
Smt. Suma Varma
Director

श्री प्रकाश चंद्र नलवाया
निदेशक
Shri P.C. Nalwaya
Director

श्री पी.वैद्यनाथन
शेयरधारक निदेशक
Shri P. Vaidyanathan
Shareholder Director

श्रीमती भारती राव
शेयरधारक निदेशक
Smt. Bharathi Rao
Shareholder Director

श्री अशोक गुप्ता
गैर-सरकारी निदेशक
Shri Ashok Gupta
Non Official Director

श्री एच.हरीश बल्लाल
अधिकारी-कर्मचारी निदेशक
Shri H. Harish Ballal
Officer-Employee Director

श्री वाई.मुरलीकृष्णा
कामगार निदेशक
Shri Y. Muralikrishna
Workmen Director

इस वर्ष पदमुक्त हुए मंडल के निदेशक
Board of Directors who demitted office this year

श्री एच.एस. उपेंद्र कामत
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Shri H.S. Upendra Kamath
Chairman & Managing Director

श्री निशांक कुमार जैन
शेयरधारक निदेशक
Shri Nishank Kumar Jain
Shareholder Director

श्री सुरेश कामत
कामगार निदेशक
Shri Suresh Kamath
Workmen Director

विषय–वस्तु	पृष्ठ सं.	CONTENTS	Page No.
निष्पादन वैशिष्ट्य 2013–14	2	Performance Highlights 2013-14	118
प्रगति की एक झलक	3	Performance at a glance	119
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	4	Message from the Chairman & Managing Director	120
सूचना व टिप्पणियां	6	Notice & Notes	122
निदेशकों की रिपोर्ट	7	Director's Report	123
कंपनी शासन पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट	25	Report of the Board of Directors on Corporate Governance	143
कंपनी शासन पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण पत्र	53	Auditors' Certificate on Corporate Governance	174
तुलन पत्र	54	Balance Sheet	175
लाभ व हानि लेखा	55	Profit & Loss Account	176
तुलन पत्र व लाभ व हानि लेखे की अनुसूचियां	56	Schedules to Balance Sheet and Profit & Loss Account	177
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां 2013–14	64	Significant Accounting Policies 2013-14	185
लेखों पर टिप्पणियां	71	Notes on Accounts	193
नकदी प्रवाह विवरण	93	Cash Flow Statement	217
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	95	Report of the Auditors	219
बेसल II (स्तंभ 3) प्रकटीकरण	97	Basel II (Pillar 3) Disclosures	221
ईसीएस प्रारूप	243	ECS Format	244
प्रॉक्सी फार्म	245	Proxy Form	246

वार्षिक सामान्य बैठक की सूचना	ANNUAL GENERAL MEETING
दिनांक : 27 जून, 2014 समय : 11.00 बजे **स्थान** : मुल्की सुंदर राम शेट्टी सभागृह, विजया बैंक, प्रधान कार्यालय, 41/2, एम.जी.रोड, बेंगलूरु – 560 001	**Date : 27th June, 2014 Time : 11.00 AM.** **Place** : Mulki Sunder Ram Shetty Auditorium, Vijaya Bank, HO, 41/2, M G Road, Bengaluru - 560 001

लेखा परीक्षक AUDITORS	पंजीयक व शेयर अंतरण एजेंट REGISTRAR & SHARE TRANSFER AGENT
मेसर्स मुकुन्द एम चिताले एण्ड कं. M/s. Mukund M Chitale & Co मेसर्स कर्रा एण्ड कं. M/s. Karra & Co मेसर्स एन.सी.मित्तल M/s. N C Mittal & Co मेसर्स केपीएमसी एण्ड एसोसिएट्स M/s. KPMC & Associates	**मेसर्स लिंक इनटाईम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड** **M/s. Link Intime India Private Limited** **सी–13, पन्नालाल सिल्क मिल्स कंपाउन्ड,** C-13, Pannalal Silk Mills Compound, **एल बी एस रोड, भंडुप (पश्चिम)** **L B S Road, Bhandup (West)** **मुंबई –** 400 078 Mumbai – 400 078 फोन Tel. (022) 25963838 फैक्स Fax : (022) 25946969 ई–मेल E-mail: mumbai@linkintime.co.in

विजया बैंक VIJAYA BANK

(भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking)

प्रधान कार्यालय Head Offie, No. 41/2, एम जी रोड M.G. Road, बेंगलूरु Bengaluru - 560 001

फोन Phone : 080 – 2558 4066 (20 लाईन lines) फैक्स Fax : 080 – 2559 8040

वेबसाईट Website : www.vijayabank.com

निष्पादन वैशिष्ट्य : 2013-14

कारोबार वृद्धि

- 23.40% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्शाते हुए कुल कारोबार ₹ 2.00 लाख करोड का मीलपत्थर स्तर पार करके ₹206721 करोड रहा.
- 28.12% की वृद्धि दर्शाते हुए कुल जमाराशियां पिछले वर्ष के ₹97017 करोड से बढकर ₹ 124296 करोड रहीं.
- 14.92% की वद्धि दर्शाते हुए खुदरा मीयादी जमाराशियां ₹ 43106 करोड रहीं.
- वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान कासा जमाराशियां 12.41% की वृद्धि दर्शोते हुए ₹ 22860 करोड रहीं.
- 17% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्शाते हुए सकल अग्रिम ₹ 82425 करोड रहे.
- प्रति कर्मचारी उत्पादकता की दृष्टि से उत्पादकता ₹ 13.87 करोड से ₹16.74 करोड तक बढा.
- प्रति शाखा कारोबार मार्च 2013 को दर्ज ₹ 123.28 करोड से बढकर ₹ 136.72 करोड रहा.

लाभ और लाभप्रदता

- मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए निवल लाभ ₹ 416 करोड रहा.
- वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान ब्याज आय 18.27% बढकर ₹ 10707 करोड पहंची.
- वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान कुल आय 18.20% बढकर ₹ 11417 करोड रही.

गैर निष्पादन आस्तियां

- बैंक की सकल गैर निष्पादक आस्ति स्तर 31 मार्च 2014 को ₹ 1986 करोड रही.
- सकल गैर निष्पादक आस्तियों का अनुपात मार्च 2014 में 2.41% रहा.
- निवल गैर निष्पादक आस्ति स्तर 31 मार्च 2014 को ₹ 1262 करोड रहा.
- निवल गैर निष्पादक आस्ति का अनुपात 31 मार्च 2014 को 1.55% रहा.

प्राथमिकता क्षेत्र परिचालन

- प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम कुल ₹ 25855 करोड रहा.
- कृषि अग्रिम ₹ 9665 करोड रहा.
- शिक्षा ऋण संविभाग 38,013 विद्यार्थियों को प्रावरित करते हुए 13% वृद्धि दर्शाकर ₹ 760 करोड तक पहुंचा.
- एमएसएमई क्षेत्र में अग्रिम 23.80% की उल्लेखनीय प्रगति दर्शाते हुए ₹ 13115 करोड रहे.
- कमजोर वर्गों को अग्रिम 29.26% की वृद्धि दर्शाते हुए ₹ 7214 करोड रहे.
- महिला हिताधिकारियों को अग्रिम 12.06% की वृद्धि दर्शाते हुए ₹ 5072 करोड रहे .

वित्तीय समावेशन

- बैंक ने 89 शाखाओं तथा 289 कारोबार प्रतिनिधि/अति लघु शाखाओं के जरिए 2000 से अधिक आबादी वाले आबंटित सभी 378 ग्रामों को प्रावरित किया है.
- बैंक ने 32 शाखाओं, 457 कारोबार प्रतिनिधियों तथा 20 ऑफसाइट एटीएम के जरिए 2000 से कम आबादी वाले 2240 ग्रामों को प्रावरित किया.
- भारत सरकार के प्रत्यक्ष लाभ अंतरण कार्यक्रम में बैंक सक्रिय रूप से भाग ले रहा है.

सुपुर्दगी चैनल

- बैंक के कुल सुपुर्दगी चैनल 1512 शाखाओं और 1528 एटीएम सहित 3000 पार किया.
- वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक ने 1 जेनेक्स्ट शाखा, 4 एचएनआई शाखाएं तथा 3 सर्व-महिला शाखाएं खोलीं.

प्रौद्योगिकी में प्रगति

- बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए ई-पासबुक तथा मिस्सड कॉल सेवा जैसी प्रौद्योगिकी सेवाएं शुरू की.
- बैंक के डेबिट कार्ड आधार में पिछले वर्ष के 24.60 लाख से मार्च 2014 तक 32.20 लाख तक बढोत्तरी हुई.

पूंजी पर्याप्तता

- भारतीय रिजर्व बैंक के 9% मानदंड के प्रति पूंजी तथा जोखिम भारित आस्ति का अनुपात (सीआरएआर) बेसल II का 10.97% रहा तथा बेसल III का 10.56% रहा.
- टियर -I पूंजी पर्याप्तता अनुपात 8.3% (बेसल-II) तथा 8.12% (बेसल-III) रहा जबकि टियर II पूंजी पर्याप्तता अनुपात 2.67% (बेसल-II) तथा 2.44% (बेसल-III) रहा.

निष्पादन की एक झलक

(₹ करोडों में)

प्रमुख मानदंड	2011-12	2012-13	2013-14
शाखाओं की संख्या	1300	1359	**1512**
एटीएमों की संख्या	750	874	**1528**
आरक्षिति और अधिशेष	3557	3863	**5029**
सकल लाभ	1230	1122	**1104**
निवल लाभ	581	586	**416**
कुल जमाराशियां	83056	97017	**124296**
वृद्धि %	13.39	16.81	**28.12**
कासा जमाराशियां	18288	20336	**22860**
कुल जमाराशियों का %	22.02	20.54	**18.44**
सकल ऋण	58671	70514	**82425**
वृद्धि %	19.20	20.19	**16.89**
कुल कारोबार	141727	167531	**206721**
वृद्धि %	15.72	18.21	**23.40**
सकल एनपीए	1718	1533	**1986**
(%)	2.93	2.17	**2.41**
निवल एनपीए	998	910	**1262**
(%)	1.72	1.30	**1.55**
निवेश	28644	31285	**42585**
प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम	16700	19505	**25855**
एएनबीसी के प्रति %	33.87	33.23	**35.55**
कुल कर्मचारी	11838	12601	**12822**
प्रति कर्मचारी कारोबार	12.31	13.87	**16.74**
प्रमुख अनुपात (%)			
जमा लागत	7.68	8.07	**7.98**
अग्रिमों पर आय	11.73	11.54	**11.26**
निवल ब्याज मार्जिन	2.47	2.13	**2.02**
आस्तियों पर आय	0.66	0.59	**0.35**
पूंजी पर्याप्तता अनुपात % (बेसल खख)	13.06	11.32	**10.97**
पूंजी पर्याप्तता अनुपात % (बेसल खखख)	लागू नहीं	लागू नहीं	**10.56**

शेयरधारकों को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए हमारे बैंक की गतिविधियों की समीक्षा व निष्पादन वैशिष्ट्य आपके समक्ष रखते हुए मुझे बेहद प्रसन्नता हो रही है

2013-14 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अपेक्षाकृत अच्छा वर्ष रहा. गत वर्षों में अभिहित अधोमुखी प्रवृत्ति के बाद, वैश्विक आर्थिक व वित्तीय परिस्थितियों में सामान्यत: सुधार हुआ, विशेषकर वर्ष 2013 के दूसरे अर्ध–वर्ष में. तथापि, वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था तथा बैंकिंग क्षेत्र दोनों को बहुत चुनौतियों का सामना करना पडा. वर्ष 2013-14 में विश्व अनिश्चितताओं, अर्थ व्यवस्था की नीति में दबाव तथा कमजोर निवेश मांग के कारण भारतीय जीडीपी वृद्धि में क्रमबद्ध सुधार हुआ. वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए सकल घरेलू उत्पाद का आकलन 4.9% किया गया जबकि वित्तीय वर्ष 2012-13 में यह 4.5% रहा. तथापि सकारात्मक पहलु में, मंहगाई में गिरावट के साथ मार्च 2014 में 5.70% रही.

वर्ष 2013-14 में धीमी आर्थिक गतिविधियों के कारण भारतीय बैंकिंग क्षेत्र को कई चुनौतियों का सामना करना पडा. अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के ऋण व जमा में क्रमबद्ध सुधार हुआ तथा भा.रि.बैं. के सांकेतिक प्रक्षेपण से कम वृद्धि हुई. वर्ष 2013-14 में अनुसूचित वाणिज्य बैंक की कुल जमाराशियों में वर्ष दर वर्ष 15% की वृद्धि हुई तथा बैंक ऋण में 14% की वृद्धि हुई. मार्च 2014 के अंत में बैंक के ऋण–जमा अनुपात 77.69% रहा. ऋण के विकास में मंद गति के कारण कुछ बैंकों की निवल ब्याज मार्जिन में गिरावट आई. अर्थव्यवस्था में मंदी के कारण कई बैंकों की आस्ति गुणवत्ता व लाभप्रदता में गिरावट आई.

भारतीय बैंकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे आर्थिक पुनरुत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं तथा आर्थिक गतिविधियों के व्यापक पहलुओं में वृद्धि और विकास को बढावा दें. वित्तीय वर्ष 2013-14 में विजया बैंक के लिए मुख्य चुनौतियां रहीं, चुनौतीपूर्ण कारोबार माहोल में प्रतिस्पर्धात्मक रहना तथा तेजी व मजबूती से आगे बढने के लिए अपनी ताकत का लाभ उठाना. वर्ष के दौरान, बैंक ने अपनी क्षमताओं पर उत्पाद तथा सेवाएं विकसित करने तथा ग्राहकों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुपुर्दगी चैनलों को विस्तृत करने में अपना ध्यान केंद्रित किया है ताकि भारत के प्रमुख राष्ट्रीयकृत बैंकों में हम अपनी छवि को बनाए रखें. वित्तीय वर्ष 2013-14 में विजया बैंक का निष्पादन, मुख्यत: इन अपेक्षाओं को पूरा कर पाया है.

इसी परिप्रेक्ष्य में, मैं वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक के निष्पादन वैशिष्ट्य आपके सामने प्रस्तुत करना चाहता हूं.

अपने पारंपरिक कारोबारी ढांचे को बनाए रखते हुए विजया बैंक ने अपनी चुनौतीपूर्ण आर्थिक परिवेश का सामना किया. बैंक के लिए, वर्ष 2013-14 बहुत महत्वपूर्ण था. इस वर्ष हमने तीन महत्वपूर्ण कीर्तिमान स्थापित किए. पहला, हमारा कुल कारोबार 2.00 लाख करोड स्तर को पार किया, दूसरा कुल जमाराशियां 1.00 लाख करोड पार किया तथा तीसरा, बैंक का शाखा नेटवर्क 1500 पार कर दिया. वर्ष के दौरान, बैंक ने अपने कारोबार संविभाग को और सशक्त बनाने के लिए देश भर में अपनी मौजूदगी में सुधार लाने तथा अपने ग्राहक आधार को बढाने के लिए कई पहल की.

मूल कारोबार में निरंतर सक्रियता तथा कुशल लागत नियंत्रण के कारण बैंक एक मजबूत आधार बनाए रखते हुए अपनी आमदनी को बरकरार रख सका. मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए निवल लाभ ₹ 416 करोड रहा. वर्ष के दौरान सभी आवश्यक प्रावधान करने के बाद ₹ 688 करोड निवल लाभ प्राप्त हुआ है.

मार्च 2014 को बैंक का कुल कारोबार 23.4% की वृद्धि दर्शाते हुए ₹ 206721 करोड रहा. वर्ष के दौरान बैंक के कुल कारोबार में ₹ 39000 करोड जोडा गया. बैंक की कुल जमाराशियां 28.1% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्शाते हुए ₹ 124296 करोड रहीं. थोक जमा/जमा प्रमाण पत्रों में मार्च 2013 के 22.3% से मार्च 2014 में 15% तक कटौती हुई. खुदरा मीयादी जमाराशियां 15% की ठोस वृद्धि हासिल करते हुए ₹ 43106 करोड रहीं. वित्तीय वर्ष 2013-14 में कासा जमाराशियां 12.4% वृद्धि दर्शाते हुए ₹ 22860 करोड रहीं. मार्च 2014 को सकल जमाराशियों में कासा जमाराशियों का हिस्सा 18.44% रहा.

बैंक के ऋण संविभाग में ₹ 82425 करोड की वृद्धि हुई, वर्ष दर वर्ष 16.9% की वृद्धि दर्शायी गयी तथा ऋण–जमा अनुपात 66.31% दर्शाते हुए अच्छा रहा. बैंक के विविध ऋण संविभाग में अर्थ व्यवस्था के सभी उत्पादक क्षेत्र जैसे कृषि, उद्योग, लघु, छोटे तथा मध्यम उद्यम (एमएसएमई), कंपनी तथा बुनियादी सुविधा क्षेत्रों को ऋण, अति लघु क्षेत्र तथा खुदरा ऋण आदि सम्मिलित हैं.

प्राथमिकता क्षेत्र में कुल प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिमों में यथा मार्च 2014 को ₹ 25855 करोड रहा. प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम, समायोजित निवल बैंक ऋण का 35.55% रहा. बैंक का कृषि अग्रिम ₹ 9665 करोड रहा. शैक्षिक ऋण संविभाग में ₹ 760 करोड हासिल किया गया. कमजोर वर्गों को ऋण 29.26% वृद्धि दर्शाते हुए ₹ 7214 करोड रहा तथा महिला हिताधिकारियों को ऋण में 12.06% वृद्धि दर्शाते हुए ₹ 5072 करोड रहा.

भारतीय अर्थव्यवस्था के संभाव्य वृद्धिदायक के रूप में उभरते हुए लघु, छोटे तथा मध्यम उद्यम के कारण, हमारे बैंक की एमएसएमई संविभाग 23.8% की अच्छी वृद्धि दर्शाते हुए ₹ 13115 करोड रहा. खुदरा उधार को बढाने के लिए बैंक ने वर्ष के दौरान कई उपाय किए तथा खुदरा उधार संविभाग के अधीन बकाया अग्रिम 16.1% बढकर ₹ 15617 करोड रहा जो सकल ऋण का 18.9% है.

आस्ति गुणवत्ता संबंधी बढती हुई चिंताओं का समाधान करने हेतु बैंक ने वर्ष के दौरान ऋण संविभाग की स्थिति तथा गैर निष्पादन आस्तियों में वसूली की सजग निगरानी पर जोर डाला. बैंक ने गैर निष्पादन आस्ति क्षेत्र में अंतर्वाह का

नियंत्रण करते हुए तथा गैर निष्पादन आस्तियों की वसूली करते हुए बेहतर तथा सक्षम गैर निष्पादन आस्ति प्रबंधन सुनिश्चित किया है. परिणामस्वरूप बैंक के सकल तथा निवल गैर निष्पादन आस्तियों की राशि तथा प्रतिशत काफी हद तक कम हुआ है. मार्च 2014 तक बैंक की सकल गैर निष्पादक आस्ति का स्तर ₹ 1986 करोड रहा (₹ 1533 करोड) जिसका अनुपात 2.41% (2.17%) रहा. निवल गैर निष्पादक आस्ति का स्तर ₹ 1262 करोड (₹ 910 करोड) रहा तथा निवल एनपीए अनुपात 1.55% (1.30%) रहा. मार्च 2014 को प्रावधान कवरेज अनुपात 64.05% रहा.

बैंक की स्थिति को और सुदृढ बनाने के लिए बैंक की नीतिगत संकेंद्रन के अनुरूप सुपुर्दगी चैनलों को और विस्तृत किया गया है. बैंक ने वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान 153 शाखाओं को जोडते हुए शाखाओं की कुल संख्या को 1512 तक बढाया है. वर्ष के दौरान, 654 एटीएम की स्थापना करते हुए यथा 31 मार्च, 2014 को बैंक के कुल 1528 एटीएम हैं. बैंक के 3040 से अधिक ग्राहक संपर्क केंद्र हैं.

ग्राहक की सुविधा को सर्वोच्च स्थान देते हुए बैंक ने वर्ष 2013-14 के दौरान अपने उत्पाद तथा सेवाओं को और विस्तृत किया है. बैंक ने कई आकर्षक जमा उत्पाद का शुभारंभ किया है जैसे वी–सिद्धि मीयादी जमा योजना, वी– लखपति, एक आवर्ती जमा योजना, वी–समृद्धि, विशेष मीयादी जमा योजना जो विशेष परिपक्व मूल्य का है तथा बट्टेगत मूल्य पर जारी किया जाता है. बैंक द्वारा एमएसई विजय, विजया किसान आवास ऋण, विजया मंगल तथा वी–कैश्यू आदि नवोन्मेषी खुदरा ऋण योजनाओं की शुरूआत की.

देश की समावेशित वृद्धि ढांचे के अनुरूप, बैंक वित्तीय समावेशन कार्यसूची को सक्रिय रूप से कार्यान्वित कर रहा है. इस दिशा में बैंक का लक्ष्य है वित्तीय सशक्तीकरण तथा ग्रामीण जनता तक बैंकिंग सेवाएं ले जाना. बैंक ने आबंटित 2000 से अधिक आबादीवाले 378 गॉवों को 89 शाखाओं तथा 289 कारोबार प्रतिनिधियों/अति लघु शाखाओं से प्रावरित किया है. बैंक ने आबंटित 2000 से कम आबादीवाले 2240 गॉवों को 32 शाखाएं तथा 457 बीसीए तथा 20 ऑफसाईट एटीएम से प्रावरित किया है.

बेसल ढांचे तथा भारिबैं के दिशानिर्देशों के अनुरूप जोखिम प्रबंधन पहल के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विश्वस्तरीय उच्च व्यवहार संहिता को प्राप्त करने के लिए बैंक ने मजूबत जोखिम प्रबंधन ढांचा तैयार किया है. बैंक के प्रौद्योगिकी पहल भी महत्वपूर्ण तथा सफल है तथा लागत को कम करने, दक्षता का निर्माण तथा कारोबार वृद्धि हासिल करने तथा ग्राहक सेवा को सर्वोत्कृष्ठ बनाने हेतु समर्थक के रूप में कार्य कर रहे हैं.

वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए हमने वर्ष दर वर्ष 18.5% की कारोबार वृद्धि परिकल्पित की है, शाखाओं की संख्या को 1700 तक बढाने तथा एटीएम की संख्या में भी पर्याप्त वृद्धि करने का हमारा प्रस्ताव है. हमारे कारोबार के मिश्रण में हम खुदरा व्यापार पर ध्यान केंद्रित करेंगे ताकि लाभप्रद वृद्धि सुनिश्चित की जा सके. आस्ति गुणवत्ता क्षेत्र में हमारा कार्पोरेट लक्ष्य है गैर–निष्पादक आस्तियों को राशिवार तथा प्रतिशत वार उत्तरोत्तर कम करना. तथा प्रावरण अनुपात में सुधार लाना.

बैंक को कॉर्पोरेट कारोबार संवेदनाओं और देशी आर्थिक परिवेश में संभाव्य सुधार से लाभ प्राप्त होगा. बैंक अपना कारोबार बरकरार रखते हुए विकास करता रहेगा तथा अवसरों का सही लाभ उठाने के लिए बैंक की स्पष्ट रणनीतियां बनी हुई हैं. आनेवाले वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु मैं प्रतिबद्ध रहूंगा. आपके निरंतर समर्थन तथा संरक्षण से, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा बैंक वर्तमान वर्ष के दौरान बुलंदियों को छू लेगा.

मैं, आप सभी महत्वपूर्ण शेयरधारकों को आपके निरंतर सहयोग तथा विश्वास के लिए सहृदय धन्यवाद देता हूं.

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

वी.कण्णन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

विजया बैंक

प्रधान कार्यालय : बेंगलूरु – 560 001

सूचना

ई–मतदान प्रणाली सहित 14 वीं वार्षिक सामान्य बैठक की सूचना शेयरधारकों को अलग से भेजी जा रही है.

निदेशकों की रिपोर्ट 2013–14

निदेशक मंडल, दिनांक 31 मार्च 2014 को लेखा परीक्षित तुलन–पत्र एवं 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लाभ–हानि लेखा सहित, बैंक की 34वीं वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता है.

प्रबंधन परिचर्चा और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

गत कुछ वर्षों में अभिहित अधोमुखी प्रवृत्ति के बाद, वर्ष 2013 की दूसरी छमाही के दौरान वैश्विक, आर्थिक और वित्तीय परिस्थितियों में समान्यत: सुधार हुआ. वर्ष 2013 की प्रमुख विशेषता यह थी कि आर्थिक शक्ति का, वैश्विक संतुलन, विकसित दुनिया से उभरती दुनिया की ओर निरंतर झुकाव हो रहा था तथा लंबी मंदी से उभरकर ऊपर उठा.

अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक निधि के अनुसार, वर्ष 2012 में 3.2% वृद्धि की तुलना में वर्ष 2013 में वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में 3.0% की मध्यम वृद्धि हुई. उन्नत अर्थव्वस्थाओं में वर्ष 2012 में 1.4% की तुलना में वर्ष 2013 में 1.3% की वृद्धि हुई, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाओं में वर्ष 2012 में 5% की तुलना में वर्ष 2013 में 4.7% की वृद्धि हुई.

विश्व अनिश्चितताओं की संचयी प्रभाव, पिछली मौद्रिक नीति में दबाव तथा कमजोर निवेश मांग के कारण वर्ष 2013-14 में भारतीय जीडीपी वृद्धि में क्रमबद्ध सुधार हुआ. विकास में मंदी का प्रभाव, सेवा और कृषि क्षेत्र में मंदी तथा औद्योगिक क्षेत्र के सिकुडन में परिलक्षित हुआ. केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा जारी उन्नत प्राक्कलन के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2014 के लिए जीडीपी वृद्धि 4.9% आकलित किया गया जबकि वह वित्तीय वर्ष 2013 में 4.5% रहा. कम वैश्विक व्यापार तथा घरेलू आपूर्ति बाधाओं के कारण वृद्धि की तुलना में जोखिम बढ गया है. वर्ष 2013-14 के दौरान कृषि उद्योग तथा सेवा क्षेत्रों में संयम के लक्षण दिखाई दिए.

उपभोक्ता मूल सूचकांक तथा थोक मूल्य सूचकांक द्वारा नापी गई मुद्रास्फीति, वर्ष 2013 -14 की शुरुआत में कम रही, परंतु बाद में बढती गई.मूल मुद्रास्फीति मई 2013 से बढती गई तथा मूलत: खाद्य व ईंधन की लागत के कारण वर्ष 2013-14 में ऊर्ध्वमुखी रही. थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत से शुरू होकर नवंबर 2013 में 7.5% तक बढकर मार्च 2014 में 5.70% तक कम हुआ. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक द्वारा नापी गई खुदरा मुद्रास्फीति भी ऊर्ध्वमुखी रही तथा नवंबर 2013 में उच्चतम 11.2% तक पहुंचा तथा मार्च 2014 के पहले 8.31% तक सुधार हुआ.

विश्व बाजार में कम वृद्धि और अनिश्चितताओं के प्रतिकूल प्रभाव के कारण वर्ष 2013-14 में भारत का निर्यात निष्पादन निराशाजनक रहा. वाणिज्यिक आसूचना तथा सांख्यकी महानिदेशालय द्वारा जारी अनंतिम आंकडों के अनुसार अप्रैल – मार्च 2013 -14 के दौरान भारत के व्यापारिक निर्यात 3.98% वृद्धि दर्ज करके यूएस डालर 312.34 बिलियन तक बढा.

अप्रैल – मार्च 2013-14 के दौरान व्यापार घाटा रुपए की विनिमय दर और सोने के आयात के लिए प्रोत्साहन न होने के कारण पिछले वर्ष से कम रहा. कम व्यापार घाटे के कारण, सीएडी–जीडीपी अनुपात वित्तीय वर्ष 2014 की पहली तिमाही के जीडीपी का 4.9% से कम होकर वित्तीय वर्ष 2014 की दूसरी तिमाही के जीडीपी का 1.2% हुआ. सीएडी–जीडीपी अनुपात वित्तीय वर्ष 2012-13 के 5.1% की तुलना में वित्तीय वर्ष 2013 -14 में 2% आकलित किया गया.

भारत के वित्तीय बाजार ने वैश्विक व देशी क्षेत्र में हो रहे समग्र विकास के प्रति प्रतिक्रिया व्यक्त की. वैश्विक वित्तीय बाजार अनिश्चितताओं निवेशकों के ढलते विश्वास ने देशी मुद्रा तथा ईक्विटी बाजार को दबाव में रखा. वर्ष 2013 -14 के पहले अर्धवर्ष के दौरान रुपए का मूल्यह्रास लगभग 17% रहा जबकि अक्तूबर 2013 में इस स्थिति में कुछ सुधार आई. मार्च 2014 के अंत में युएस डालर के प्रति भारतीय रुपए 59.91 रहा. वर्ष 2013-14 के दौरान ईक्विटी बाजार में ज्यादा उतार चढाव नहीं रहा.

वित्तीय वर्ष 2013-14 की शुरूआत में जो मुद्रा आपूर्ति (एम3) 12.4% रही, एफसीएनआर(बी) जमाराशियों की बढती प्रवाह के कारण जमा संग्रहण में तेजी आई, जिसकी वजह से वर्ष के दौरान बढकर, मार्च 2014 के अंत तक 13.5% रही.

वर्ष 2013-14 के दौरान वित्तीय घाटा जीडीपी के 4.6% प्राक्कलित किया गया.

बैंकिंग परिदृश्य

वर्ष 2013-14 के दौरान भारत में बैंकिंग क्षेत्र स्वस्थ व लचीला रहा. तथापि, स्थूल अर्थव्यवस्था में मंदी के कारण कुछ बैंकों की आस्ति गुणवत्ता में गिरावट हुई है. ऋण में कम वृद्धि तथा ऋण की गुणवत्ता में गिरावट के कारण उच्चत्तर प्रावधानीकरण से बैंकों की लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पडा है.

वर्ष 2013-14 में मौद्रिक नीति में, वृद्धि मुद्रास्फीति गतिशीलता को संतुलित करने हेतु तरलता के नियंत्रण उपाय तथा नीतिगत दरों में वृद्धि, दोनों को प्रयोग में लाया गया.भारतीय रिज़र्व बैंक ने मई 2013 में नीतिगत दरों को लचीला बनाया परंतु, विनिमय दर घट–बढ से स्थूल वित्तीय जोखिमों को नियंत्रित करने हेतु जुलाई 2013 के दौरान विशेष रूप से तरलता नियंत्रण उपाय शुरू किया. विनिमय दर में स्थिरता आने तक तरलता स्थितियों को पर्याप्त रूप से नियंत्रित किया गया. भा.रि.बैं. ने वर्ष 2013-14 में रिपो दर को 75 बीपीएस से बढाया.

सेवाएं, वैयक्ति ऋण, कृषि के प्रति ऋण आदि में निरंतर वृद्धि के कारण वर्ष 2013-14 में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक के उधार में अधिक वृद्धि देखी गयी. समग्र रूप में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के ऋण में वित्तीय वर्ष 2012-13

की 13.6% की वृद्धि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2013-14 में 14% वृद्धि हुई. वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक की कुल जमाराशियों में वर्ष–दर–वर्ष 15% वृद्धि दर्ज की गयी.

दृष्टिकोण

वर्ष 2013 के दूसरे अर्धवर्ष से वैश्विक वृद्धि की संभावनाएं धीमी गति से दृढ हो रही हैं, परंतु नकारात्मक जोखिम बुलंद रहे. अपने अद्यतन वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण में, अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक निधि ने वैश्विक वृद्धि दर को वर्ष 2014 में 3.6% और 2015 में 3.9% प्रक्षेपित किया है. उभरती व विकासशील आर्थिक व्यवस्थाएं वैश्विक विकास का नेतृत्व करती रहेंगी.

देशीय आर्थिक परिवेश तथा विकासशील मौद्रिक नीति की रुख की स्थिति में सुधार के कारण वर्ष 2014-15 में भारत की जीडीपी वृद्धि में सुधार की उम्मीद है. बचत व निवेश दर में सुधार, वित्तीय बाजार की अनुकूल स्थिति, अधिक पूंजी प्रवाह, नरम मुद्रास्फीति तथा सकारात्मक कारोबार दृष्टिकोण अर्थव्यवस्था की विकास में गति लाने में मददगार होगी. देशीय स्तर पर, उच्च वित्तीय व चालू खाते में घाटे, कम औद्योगिक वृद्धि तथा कम निर्यात वृद्धि, प्रत्याशित मुद्रास्फीति का नियंत्रण, आदि मुद्दों का समाधान ढूंढना वर्ष 2014-15 की प्रमुख चुनौतियां होंगी. इन समस्याओं के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनी रहेगी.

सकारात्मक देशी दृष्टिकोण तथा अनुकूल नीतिगत माहौल के कारण भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में वर्ष 2014-15 में अच्छा निष्पादन करने की उम्मीद है.

वर्ष 2013 -14 के दौरान बैंक का निष्पादन वैशिष्ट्य

पूंजी, आरक्षितियां तथा निवल मूल्य

बैंक की प्राधिकृत पूंजी संप्रति ₹ 3000 करोड है जो ₹ 10/- शेयर के 300 करोड पूर्ण रूप से प्रदत्त शेयरों में विभाजित है. संप्रति, भारत सरकार, बैंक की 74.06% ईक्विटी शेयर पूंजी धारित करती है. बैंक की कुल प्रदत्त पूंजी ₹ 859.12 करोड है.

वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक ने आरक्षितियां और अधिशेष में ₹ 1165.69 करोड जोडा है तथा कुल आरक्षितियां और अधिशेष ₹ 5028.80 करोड है. बैंक का निवल मूल्य ₹ 4081.49 करोड से बढकर वर्ष 2013-14 के दौरान ₹ 5638.93 करोड हो गया है.

कार्यकारी परिणाम

वर्ष 2013-14 के लिए बैंक द्वारा दर्ज निवल लाभ 2012-13 के ₹ 586 करोड की तुलना में ₹ 416 करोड रहा. जमाराशियों के संदर्भ में जमाओं की औसत लागत 2012-13 के 8.07% से घटकर 2013-14 में 7.98% हो गई. वर्ष 2013-14 के लिए अग्रिमों पर अर्जन पिछले वर्ष के 11.54% की तुलना में 11.26% रही.

बैंक के वित्तीय परिणामों की प्रवृतियां तथा महत्वपूर्ण अनुपात नीचे दी गई तालिकाओं में दर्शायी गई है :

(₹ करोडों में)

क्रम सं.	मद	2012-13	2013-14	वार्षिक वृद्धि (%)
1	ब्याज आय	9052	10707	18.27
2	ब्याज खर्च	7174	8623	20.20
3	निवल ब्याज आय (1-2)	1878	2084	10.97
4	गैर ब्याज आय	607	710	16.97
	I. निवेशों की बिक्री पर लाभ	113	190	68.14
	II. अन्य गैर–ब्याज आय	494	520	5.26
5	निवल कुल आय (3+4)	2485	2794	12.43
6	परिचालन खर्च	1363	1690	23.99
	I. स्टाफ खर्च	849	1040	22.50
	II. अन्य परिचालन खर्च	514	650	26.46
7	परिचालन लाभ	1122	1104	-1.60
8	परिचालन लाभ (खज़ाना लाभ को छोडकर)	1009	914	-9.42
9	प्रावधान और आकस्मिक खर्च	536	688	28.36
10	निवल लाभ	586	416	-28.89

प्रमुख लाभप्रदता अनुपात (%)

क्रम सं.	मद	2012-13 (%)	2013-14 (%)
1	निधि पर प्रतिफल	9.27	9.08
2	निधि लागत	7.35	7.31
3	ब्याज विस्तार (1-2)	1.92	1.77
4	अग्रिम पर प्रतिफल	11.54	11.26
5	जमा लागत	8.07	7.98
6	निवेश पर प्रतिफल (आरआईडीएफ सहित) - क्रय लाभ को छोडकर - क्रय लाभ सहित	 7.10 7.47	 7.22 7.75
7	औसत कार्यकारी निधि की तुलना में अन्य परिचालन खर्च	0.53	0.55
8	लागत–आय अनुपात	54.85	60.49
9	औसत कार्यकारी निधि की तुलना में स्थापना लागत	0.87	0.88

लाभांश

समग्र लाभप्रदता को ध्यान में रखते हुए, वर्ष 2013-14 के लिए निदेशक मंडल ने अंतिम लाभांश ₹ 1.00 प्रति शेयर (10%) (जनवरी 2014 के दौरान घोषित ₹ 1.00 प्रति शेयर (10%) के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त) की सिफारिश की है. 2013-14 के लिए लाभांश कर सहित ईक्विटी लाभांश की कुल राशि ₹ 165.38 करोड है.